अंक-141 कानपुर, सोमवार 22 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में 22 जुलाई से शुरु होगा 6 दिवसीय मशरुम उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 22 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की

मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे।डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522505 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

आज
22.07.2024

डॉ एस.के.विश्वास

सीएसए में आज शुरू होगा 6 दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीकी प्रशिक्षण

कानपुर, 21 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522505 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए एक हजार रुपये शुल्क के साथ कराएं पंजीकरण

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

महिलाओं को आरक्षण न दे सकी बीजेपी... 12

अयोध्या, मथुरा और काशी में धरातल पर उतरी 6.5...05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 278
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 22 जुलाई, 2024

मशरूम की खेती या व्यवसाय करने वालों के लिए सुनहरा अवसर

जन एक्सप्रेस | कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय स्थित मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत 22 से 27 जुलाई 2024 तक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ.एस.के.विश्वास ने बताया कि ऐसे कृषक, छात्र एवं शहरी लोग जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं उनके लिए यह उत्तम अवसर है। उन्होंने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते

हैं। इस 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराए जाने के साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। डॉ.विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000 पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाहर से आने वाले किसानो के लिए रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। डॉ.खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522505 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

अमर उजाला 22/07/2024

आज से सीखें मशरूम उत्पादन की तकनीक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के तहत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई से होगा। प्रशिक्षण शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. एसके विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं, वे उत्पादन की तकंनीक सीख सकते हैं। डॉ. विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। (ब्यूरो)

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74,755 g
चांदी 91,150 kg
सेंसेक्स 79,441.45
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
04 संसद की गरिमा और महत्व को समझे
करण जौहर की अगली फिल्म में
वर्ष :10 अंक :171 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,सोमवार 22 जुलाई 2024 पृष्ठ : 08

22 जुलाई से शुरू होगा 6 दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण

यूपी मैसेंजर

कानपुर , सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है।डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे।डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/ युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522505 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 330 | कानपुर, सोमवार 22 जुलाई 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

22 जुलाई से शुरु होगा 6 दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे।डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522505 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

वर्ष : 16 अंक : 198 लखनऊ रविवार, 21 जुलाई 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

वैश्विक संस्थाएं भी दे रहीं यूपी में पौधरोपण... 2 | भारतीय संस्कृति में सत्य, शिव और... 6 | कोविड : भार

वृहद वृक्षारोपण का आयोजन

कानपुर। पेड़ न केवल सुंदर और महत्वपूर्ण हैं , बल्कि वे पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के बारे में सभी को जानकारी है अत: पेड़ लगाना और उनकी देख रेख करना सभी लोगो का परम कर्तव्य है। उपरोक्त विचार शनिवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में आज बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे जीवन को बचाने में ही नहीं अपितु पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी अहम रोल अदा कर रहे हैं। जैसे-जैसे हम अपने दैनिक जीवन में आगे बढ़ते हैं, पेड़ों से मिलने वाले अनेक लाभों को हल्के में लेना आसान हो जाता है। कार्यक्रम में नीम, आंवला, पीपल, बरगद, इत्यादि के 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। पर्यावरण की समस्या का दायरा अत्यंत व्यापक है और स्वास्थ्य से इसका सीधा संबंध है। अत: पौधे लगाना और उनका रखरखाव प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी होनी चाहिए । कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ खलील खान, डॉ निमिषा अवस्थी के साथ शोध सहायक शुभम यादव व गौरव शुक्ला उपस्थित रहे ।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 22/07/2024

सीएसए में आज से मशरुम प्रोडक्शन की मिलेगी ट्रेनिंग

kanpur@inext.co.in

KANPUR (21 July): सीएसए के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में मंडे से मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण की शुरुआत की जा रही है. छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न तरह के मशरूम उगाने का प्रयोग भी कराया जाएगा.

प्रमाण पत्र भी मिलेगा

सीएसए के प्लांट पैथोलॉजी डिपार्टमेंट की ओर से 27 जुलाई तक ट्रेनिंग प्रोग्राम चलेगा. नोडल अधिकारी डॉ. एसके विश्वास ने बताया कि केंद्र से अब तक एक हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है. इस ट्रेनिंग को करने के बाद एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती को व्यावसायिक तौर पर शुरू किया जा सकता है. सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा.